Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to ameliorate the plight of stage artists.

प्रो. चिंतामणि मालवीय (उज्जैन): मैं संस्कृति मंत्री जी का ध्यान देश के कला जगत से जुड़ी सांस्कृतिक संस्थाओं की दशा की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। देश की आजादी से लेकर आज तक के सार्वजनिक जीवन में ऐसी अनेक संस्थाएं हैं जिनका हमारे सामाजिक जीवन में बड़ा महत्व है। ऐसी कई सामाजिक और सांस्कृतिक कलाओं की संरक्षण संबंधी संस्थाएं है जो लगभग 50 सालों से समाज में जागरूकता लाने और सुधारने का काम कर रही है। मुझे दु:ख है कि देश के प्रदर्शनकारी कलाओं के जो कलाकार हैं उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। यहां तक कि संस्कृति मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही अनुदान योजनाएं भी नियमिति नहीं चल रही है। कलाकारों को लगभग दो वर्षों के विलंब से भुगतान हो रहा है जिससे देश भर के कलाकारों में असंतोष पनप रहा है।

देश में खेल के बाद एक कला कर्म ही है जो काफी लोकप्रिय है और करोड़ों की संख्या में युवा इनसे जुड़े हैं चाहे वह शहर हो या गांव , यदि कलाकारों को उचित स्थान और सहयोग नहीं मिलेगा तो भी अराजक बनेंगे और गलत रास्ते पर जाएंगे। इसलिए मेरा अनुरोध है कि संस्कृति विभाग से लंबित मामलों को यथाशीघ्र हल किया जाए, ताकि कलाकारों की आर्थिक स्थिति ठीक हो सके।